

पाठ:-मिठाईवाला

पूर्व ज्ञान/ विषय वस्तु पाठ्येतर विषय वस्तु	अधिगम उद्देश्य सामान्य	अधिगम उद्देश्य विशिष्ट
पूर्व ज्ञान: व्यक्तिगत संबंध पूर्वज्ञान संबन्धित प्रश्न- परिशिष्टसंख्या-5अ/१ विषय वस्तु- *मिठाईवाला उपविषय वस्तु :- अ) सामाजिक जागरूकता आ) प्रेम,सेवा इ) नैतिकता पाठ्येतर विषय वस्तु * नाटिका लेखन *कहानी संग्रह	विद्यार्थी अ) लिंग समानता की महत्ता को समझ सकेंगे । आ)सहृदयता,प्रेम,सेवा जैसे मानवीय मूल्य को अपना सकेंगे। इ) विशिष्ट व्यक्तित्व के प्रभाव में नैतिक गुणों का विकास कर सकेंगे।	विद्यार्थी अ) लड़के और लड़कियों दोनों को सुखद बचपन का आनंद मिले यह ज्ञान प्रसारित कर सकेंगे। आ) सहृदयता,प्रेम,सेवा जैसे मानवीय मूल्य को समझ कर उसे अपने जीवन में उतार सकेंगे। इ) विशिष्ट व्यक्तित्व के गुणों से प्रभावित हो कर अपने अंदर नैतिक गुणों का विकास कर स्वरचित नाटिका प्रस्तुत कर सकेंगे।

गृहकार्य:- पाठ से संबन्धित प्रश्न

क्रियाविधि:- नाटिका लेखन और प्रस्तुति से संबन्धित

अध्यापिका की गतिविधि	विद्यार्थी गतिविधि	पाठ पढ़ने के बाद अध्यापिका का मंतव्य तथा निराकरण
पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्न पूछेंगी:- परिशिष्टसंख्या :-5अ/१ काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्टसंख्या :-5अ/२ *अध्यापिका के निर्देशन में उचित बलाघात के साथ शुद्ध उच्चारण का ध्यान रखते हुए पाठ का वाचन करेंगे । *अध्यापिका के निर्देशन में पाठ के भाव को आत्मसात कर पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देने का प्रयास करेंगे। *क्रियाकलाप हेतु क्रियाविधि :- परिशिष्टसंख्या :-5 अ /३ *अभ्यास हेतु कार्यपत्र :- परिशिष्टसंख्या :-5अ /४	पूर्व ज्ञान पर आधारित प्रश्नों के उत्तर देंगी:- परिशिष्टसंख्या :-5आ/१ काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि में भाग लेंगे । परिशिष्टसंख्या :-5आ/२ विद्यार्थी उचित बलाघात के साथ पाठ के शुद्ध उच्चारण में समर्थ होंगे । विद्यार्थी पाठ के अंत में दिये प्रश्नों के उत्तर देंगे। अपनी गतिविधियों में भाग लेंगे। परिशिष्टसंख्या :-5आ/३ अभ्यास हेतु दिये गए कार्यपत्र को पूर्ण करेंगी। परिशिष्टसंख्या :-5आ/४	*पाठ पढ़ाने के बाद लिखा जाएगा ।

सहायक सामाग्री :- पाठ्य-पुस्तक ,स्मार्ट बोर्ड एवं संलग्न प्रपत्र १ कार्यपत्र ,२ क्रियाकलाप का विवरण

विधि:- १. पठन-पाठनविधि,२. उदाहरण विधि,३. काठिन्य निवारण विधि, ४. व्याख्या विधि ५.व्यास विधि

अन्तःविषय संबंध :- प्रकृति ज्ञान, कर्तव्य बोध, पर्यावरण बोध , सामाजिक ज्ञान ।

विद्यालय भवन :- चारित्रिक गुणों के विकास में विद्यालय की भूमिका को व्याख्यायित कर सकेंगे ।

विभागाध्यक्ष

समन्वयक

उप-प्रधानाचार्य

प्रधानाचार्य

परिशिष्टसंख्या:-5

1.पूर्व ज्ञान से संबन्धित प्रश्न -परिशिष्टसंख्या -5अ/1

संभावित उत्तर

प्र.1- ऐसे संबंधों का उल्लेख कीजिए जो ईश्वर बनाता है ।

माँ , पिता दादी दादा आदि

प्र.2- ऐसे संबंध जिनका चुनाव आप करते हैं ?

मित्र

प्र.3-मित्र के अतिरिक्त किसी ऐसे व्यक्ति का वर्णन करें जिससे

संबंध न होते हुए भी कुछ संबंध महसूस किया हो ।

छात्रानुसार उत्तर

कथन:- आइये इस पाठ को पढ़ कर जानते हैं ऐसे ही एक फेरीवाले के बारे में ।

2.काठिन्य निवारण हेतु गतिविधि :- परिशिष्टसंख्या -5अ/2

*कक्षा को चार समूहों में विभाजित किया जाएगा।

*प्रत्येक समूह एक निर्धारित अंश से कठिन शब्दों को लिखेगा ।

*समूह आपस में अदलाबदली कर अर्थ लिखने का प्रयास करेंगे।

*अध्यापिका उत्तर की पुष्टि कर विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका पर अर्थ लिखने का निर्देश देंगी ।

3.क्रियाकलाप हेतु क्रिया विधि :- परिशिष्टसंख्या -5अ/3

*अध्यापिका कक्षा के विद्यार्थियों को 5-5 के समूहों में विभाजित कर गतिविधि के लिए यथोचित निर्देश देंगी।

*प्रत्येक समूह को मिठाईवाले के व्यक्तित्व से सीख लेकर किसी एक जीवन मूल्य पर आधारित लघु नाटिका अपनी भाषा में रचने को कहेंगी ।

* अध्यापिका प्रत्येक समूह को स्वरचित नाटिका को बारी-बारी से कक्षा में प्रस्तुति के लिए कहेंगी।

* अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देंगी ।

* अध्यापिका अंत में निर्धारित मानदंड के आधार पर नाटिका और लेखन प्रस्तुति का मूल्यांकन करेंगी ।

मूल्यांकन के मानदंड :

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक - १०
१	विषय की प्रस्तुति	३
२	प्रभावोत्पादकता	३
३	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	२
४	कार्य की पूर्णता	१
५	समयबद्धता	१

कार्यपत्र

पाठ : मिठाईवाला

विद्यार्थी का नाम:

प्रश्न 1.

गतिविधि : लघु नाटिका

अनुक्रमांक:

नाटिका प्रस्तुति से पूर्व मनः
स्थिति -

प्रस्तुति के दौरान मनः
स्थिति -

प्रस्तुति के बाद मनः स्थिति -

प्रश्न 2. नाटिका से मिली सीख :-
